भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न 268
मंगलवार, 02 दिसंबर, 2025/11 अग्रहायण,1947 (शक) को उत्तरार्थ

सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना

+268. श्री अरुण भारतीः

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 'सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना' की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) इस योजना के अंतर्गत गोदामों और अन्य कृषि अवसंरचना के निर्माण के लिए बिहार में कितनी प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों (पैक्स) की पहचान की गई है;
(ग) जमुई और मुंगेर जिलों में प्रायोगिक चरण और उसके बाद के चरणों में शामिल पैक्स की निश्चित संख्या कितनी है;
(घ) बिहार में इस प्रयोजन हेतु कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई है तथा कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) जैसी योजनाओं के साथ किस अभिसरण मॉडल का उपयोग किया जा रहा है; और
(ङ) इन भंडारण सुविधाओं के पूरा होने की समय-सीमा क्या है और बिहार में फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने हेतु इनका क्या प्रभाव अपेक्षित है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क): सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना भारत सरकार (GoI) की विभिन्न मौजूदा योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से सक्रिय रूप से क्रियान्वित की जा रही है। वर्तमान में परियोजना के तहत गोदामों के निर्माण के लिए 500 से अधिक PACS को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 85 गोदामों का निर्माण पूरा हो चुका है । इसकी वर्तमान स्थिति **अनुलग्नक -I** में संलग्न है ।

इसके अतिरिक्त, भारतीय खाद्य निगम (FCI), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (NAFED), भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (NCCF) और राज्य भांडागारण निगम (SWCs) जैसी एजेंसियों द्वारा अपनी भंडारण आवश्यकता के अनुसार देश भर में 378 जिलों/स्थानों को चिह्नित किया है और संबंधित राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से PACS और अन्य सहकारी समितियों में भूमि की पहचान करने का भी अनुरोध किया गया है ।

(ख) और (ग): बिहार में, सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत 1.33 LMT की कुल भंडारण क्षमता वाले गोदामों के निर्माण के लिए राज्य भर में 36 PACS को चिह्नित किया गया है। अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत मुंगेर और जमुई जिलों में अभी तक किसी PACS को चिह्नित नहीं किया गया है ।

तथापि, PACS स्तर पर गोदामों के निर्माण के लिए बिहार राज्य सरकार की योजना के अंतर्गत अब तक मुंगेर जिले में 14,500 मीट्रिक टन की कुल भंडारण क्षमता वाले 53 गोदामों का निर्माण किया गया है और जमुई जिले में 141 गोदामों का निर्माण किया गया है जिनकी कुल भंडारण क्षमता 41,900 मीट्रिक टन है ।

(घ): इस योजना को एक अभिसरण मॉडल के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसमें कृषि अवसंरचना निधि (AIF), कृषि विपणन अवसंरचना स्कीम (AMI), कृषि यंत्रीकरण पर उप मिशन (SMAM), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) आदि जैसी विभिन्न योजनाओं को डवटेल किया गया है । जिसके अंतर्गत वेयरहाउस/गोदाम निर्माण के लिए PACS को सब्सिडी, ब्याज अनुदान और ऋण गारंटी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं । बिहार राज्य सहित देश भर में आवेदक PACS योजना के अंतर्गत AIF और अन्य अभिसारित योजनाओं के अधीन लाभ प्राप्त कर सकते हैं ।

(ड.): विकेन्द्रीकृत भंडारण अवसंरचना के निर्माण से बिहार समेत पूरे देश में, वैज्ञानिक भंडारण को सक्षम बनाकर, संकटकालीन बिक्री में कमी लाकर, प्रापण की क्षमता में सुधार और स्थानीय कृषि आपूर्ति श्रंखला को सशक्त करके कटाई के पश्चात होने वाले नुकसान में काफी कमी अपेक्षित है । राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से इस योजना के अंतर्गत जल्द से जल्द गोदाम बनाने का अनुरोध किया गया है ।

*****

अनुलग्नक -I

अन्न भंडारण योजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति

चिह्नित PACS/ LAMPS	प्रस्तुत DPR	DCDC में अनुमोदित PACS	वित्तीय समापन	निर्माणाधीन	निर्माण पूरा हुआ	क्षमता निर्माण (MT)
534	328	389	173	49	85	49,952

*****